COMPASSIONATE CITIZEN

दयालु नागरिक कार्यक्रम: संक्षिप्त विवरण

प्राकृतिक दुनिया में जानवर एक अभिन्न भूमिका निभाते हैं, फिर भी संपूर्ण इतिहास में देखा जाए तो लोगों ने अक्सर जानवरों से भावनाओं वाले जीव की तुलना में एक वस्तु की तरह व्यवहार किया है. डॉ. जेन गुडल जैसे प्रकृतिविदों को धन्यवाद, कि अब हम यह स्वीकार करते हैं कि जैसा हम पहले मानते थे उसकी तुलना में जानवर कहीं अधिक जटिल हैं और वे चिंता, दुख और खुशी का अनुभव कर सकते हैं.

आज के युवा लोगों के लिए, जानवरों के प्रति सहानुभूति विकसित करना मनुष्यों सहित सभी प्राणियों के प्रति – करूणा विकसित करने – और हिंसा को त्यागने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है. इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि छात्र इस बात को जानें कि जिन जानवरों के साथ हम इस ग्रह को साझा करते हैं वे कई मायनों में, हमसे कुछ ज्यादा अलग नहीं हैं.

व्यापक अनुसंधान के बाद, शैक्षिक सलाहकारों और शिक्षकों ने यह निर्धारित किया है कि छात्रों को मानवीय शिक्षा देने का सबसे अच्छा समय तब होता है जब वे ८ और १२ वर्ष के होते हैं. इस आयु के बच्चे यह समझ सकते हैं कि क्रूरता नैतिक रूप से गलत क्यों है.

दयालु नागरिक पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पीटा) का भारतीय संस्करण है, जो कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पीटा अमेरिका का मानवीय शिक्षा कार्यक्रम है, उस दुनिया को साझा करें, जिसे ८ से १२ वर्ष के छात्रों को बेहतर समझने और जानवरों की प्रशंसा करने के लिए तैयार किया गया है.

अधिकांश बच्चे स्वाभाविक रूप से जानवरों के लिए चिंता और स्नेह महसूस करते हैं, लेकिन समाज से क्रूरता सीखते हैं और अक्सर उनकी करुणा को नजरअंदाज करते हैं. बेशक, अन्य प्रजातियों के प्रति सम्मान की कमी लोगों के प्रति असंवेदनशीलता और क्रूरता में भी बदल सकती है. यह अब समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा यह अच्छी तरह से दर्ज किया गया है कि बच्चों द्वारा जानवरों के प्रति की गई हिंसा अक्सर भविष्य में मनुष्यों के प्रति हिंसा के कार्योंके होने का चेतावनी संकेत है. शिक्षा के माध्यम से, हम ऐसा भविष्य सुनिश्चित करने की आशा करते हैं, जिसमें जानवर, वह पर्यावरण जिसमें वे रहते हैं और हमारे साथी इंसानों से दयालुपूर्ण और सम्मान से व्यवहार किया जाता है.

दयालु नागरिक शैक्षिक संसाधन को, **एनीमल वेल्फयर बोर्ड ऑफ इंडिया** (एडब्ल्यूबीआई), **सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी** एज्युकेशन (सीबीएसई) और **केन्द्रीय विद्यालय** संगठन (केवीएस) ने समर्थन दिया है. सीबीएसई और केवीएस ने एक साथ पूरे भारत में १९,००० से अधिक संबद्ध स्कूलों को सूचनाएं जारी की हैं और यह **समझाया है कि भाषा कला, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, पर्यावरण विज्ञान और** मूल्य की शिक्षा के माध्यम से स्कूल पाठ्यक्रम में आसानी से शामिल कैसे किया जा सकता है. यह स्कूलों में अखंडता, पर्यावरण और जानवर अधिकार क्लबों में उपयोग के लिए भी एकदम सही है. यद्यपि इसे मासिक पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए तैयार किया गया था, इस कार्यक्रम का उपयोग थोड़े समय के लिए किया जा सकता है, जिसमें एक दिवसीय कार्यशाला भी शामिल है. दयालु नागरिक की स्कूलों और शिक्षकों के लिए मुफ्त पेशकश की जाती है और सरकार, निजी, अंतरराष्ट्रीय, सीबीएसई-संबद्ध और केवीएस स्कूलों के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, केरल, मध्य प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में १.६ लाख से अधिक स्कूलों द्वारा उपयोग किया गया है तथा पूरे भारत में करीब ६ करोड़ बच्चों तक पहुंच रहा है. दयालु नागरिक

''किसी देश की महानता को इस तथ्य से आंका जा सकता है कि वह जानवरों के साथ कैसा व्यवहार करता है.'' – महात्मा गांधी

का इस्तेमाल करने वाले प्रमुख स्कूलों में शामिल हैं देहरादून में दून स्कूल नई दिल्ली में सेंट कोलंबस स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, स्प्रिंगडैल्स स्कूल; मदर इंटरनेशनल स्कूल और नई दिल्ली में संस्कृति स्कूल; और मुंबई में इकोलेमोंडियल वर्ल्ड स्कूल; बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल; जमनाबाई नरसी इंटरनेशनल स्कूल; और आदित्य बिरला वर्ल्ड एकेडमी स्कूल. इस कार्यक्रम का इस्तेमाल और प्रचार कई गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) द्वारा भी किया जाता है, जिसमें लाइफ ट्रस्ट, पीपल फॉर एनिमल, राष्ट्रीय ग्राम उत्थान संस्थान चौरिटेबल ट्रस्ट और सतनाम सेवा आश्रम शामिल हैं.

दयालु नागरिक का नवीनतम संस्करण वर्तमान में अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध है, लेकिन जरूरत हो तो अन्य भाषाओं में उपलब्ध कराया जा सकता है.

ऐसी गतिविधियां जो कार्यक्रम को तैयार करती हैं में, छात्र जानवरों के सार्थक और जटिल जीवन की जांच करने के लिए अपने तर्क और लेखन कौशल का उपयोग करते हैं, समय के साथ उनके साथ हमारे संबंधों में परिवर्तनों का पता लगाते हैं, उनके उपयोग के विकल्पों को खोजते हैं और सीखते हैं कि जानवरों के मुसीबत में होने पर क्या करें. कार्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्रों को जानवरों की गहन समझ प्राप्त होगी और वे सीखेंगे कि उनसे कैसे और किस तरह ऐसे साथी की तरह व्यवहार करना चाहिए, जो करुणा और सम्मान के पात्र हैं.

इस कार्यक्रम में २३-मिनट की एक वीडियो शामिल है, जिसमें जानवरों की चर्चा के लिए सुझाए गए विषय और फुटेज शामिल हैं. पैक में शिक्षक की मार्गदर्शिका, बार-बार प्रस्तुत करने योग्य एक्टिविटी शीट, जिसमें रंगीन शीट और दयालु शपथ जिस पर बच्चे हस्ताक्षर कर सकते हैं, एक पूरा-रंगीन वॉल पोस्टर और जानवरों की मदद करने के आसान तरीके बताने वाला प्रपत्र शामिल है, जिससे शिक्षक और विद्यालय जानवरों की मदद करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित कर सकते हैं. वीडियो में बच्चों द्वारा संवाद बोले गए हैं, ताकि छात्र उनसे जुड़ सकें और अपने साथियों से प्रेरित हो सकें.

कार्यक्रम की सफलता को मापने में मदद करने के लिए शिक्षकों को पीटा को प्रतिक्रिया भेजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है.

लारा दत्ता

''स्कूल के पाठ्यक्रम में दयालु नागरिक को शामिल करना सामाजिक रूप से जागरूक बच्चों की ऐसी नई पीढ़ी बनाने की दिशा में लंबा रास्ता तय करेगा, जिनके पास जानवरों और वह पर्यावरण जिसमें वे रहते हैं उिस कीं बेहतर समझ और सम्मान है.''

रवीना टंडन थडानी

''मेरे बच्चे घर पर हमेशा बचाए गए जानवरों से घिरे रहे हैं और इससे उसमें प्यार, करुणा और सम्मान का भाव पैदा हुआ है. दयालु नागरिक जैसे शैक्षिक कार्यक्रम, जानवरों, जिस पर्यावरण में हम रहते हैं उसके लिए और लोगों में सहानुभूति और प्रशंसा विकसित करने में मदद करेंगे.''

जैकी श्रॉफ

''दया मुझे मेरी मां से मिली है और, मेरे लिए, सभी बच्चों को सभी जीवों के प्रति देखभाल और महसूस करने के इस गुण को देना चाहिए. दयालु नागरिक, मुझे लगता है, जानवरों के लिए सम्मान विकसित करने में बच्चों की मदद करने के लिए एकदम सही कार्यक्रम है.''

अनुपम खेर

''बच्चों को सभी जीवों की प्रशंसा करने के लिए मानव जीवन के मूल्य को पढ़ाने से ज्यादा अच्छा कोई दृष्टिकोण नहीं है. यदि आप किसी बच्चे को हमारे बीच सबसे छोटे और सबसे हानिकारक जीव का सम्मान करना और उसे संरक्षण देना सिखा सकते हैं – जैसा कि पीटा का मानवीय–शिक्षा कार्यक्रम करता है – तो आप एक बेहतर नागरिक बनाते हैं.''

मैंगते चंग्नेइजैंग मैरी कॉम

''जानवरों के प्रति क्रूरता खत्म करने का सबसे बेहतरीन उपाय है युवाओं को करुणा सिखाना, जानवर अपनी जगह में हमें देखना चाहते हैं. हमारे चारों तरफ हिंसा प्रतीत होने के साथ, यह पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है कि हम कक्षा में सम्मान और दया के पाठ सिखाएं.''

COMPASSIONATE CITIZEN

दयालु नागरिक हर रोज पशुओं के लिए कुछ खास करें

अध्यापक कई आसान तरीकों से पशुओं की सहायता करने में बच्चों की मदद कर सकते हैं. कुछ सुझाव नीचे दिए हैं:

१. अपने आधिकारिक पाठ्यक्रम के भाग के रूप में दयालु नागरिक को शामिल करने के लिए अपने स्कूल को प्रोत्साहित करें.

२. स्कूल के अधिकारियों से कहें कि वे चिड़ियाघरों और सर्कसों में बच्चों को न ले जाने की नीति बनाएं. पशुओं को जब पिंजरे में बंद रखा जाता है या बांध कर रखा जाता है तो उन्हें तकलीफ होती है, और सर्कसों में इन्हें पीटा जाता है ताकि वे आज्ञा का पालन कर वह सब करें जो उनके लिए स्वाभाविक नहीं होता. चिड़ियाघरों और सर्कसों में पशु अकेला और निराश और दुःखी महसूस करते हैं. इसकी बजाय स्थानीय पशु आश्रय या वन्य जीव अभ्यारण्य में जाएं.

३. स्कूल के अधिकारियों से कहें कि वे ड्रेस कोड में परिवर्तन करें और चमड़े की बजाय कपड़े के जूते शामिल करें ताकि क्रूरता से मुक्त हुआ जाए. चमड़े का उत्पादन करना न मात्र क्रूरता पूर्ण है, बल्कि इससे पर्यावरण को भी नुकसान होता है. पशु की त्वचा को चमड़े में तबदील करने के लिए भारी मात्रा में विषाक्त रसायनों की आवश्यकता होती है, और चमड़ा बनाने वाले कारखानों से निकला हुआ विष नदियों और जलधाराओं में मिलता चला जाता है.

४. अपने स्कूल वालों से कहें कि वे मात्र वनस्पतियों से बना स्वादिष्ट अल्पाहार और दोपहर का भोजन देकर स्वास्थ्यकारी-भोजन कार्यक्रम को आरंभ करें. विचारों, सुझावों और खाना बनाने के तरीकों के लिए हमसे Info@compassionatecitizen.org पर संपर्क करें.

५. प्रिंसीपल से कहें कि बच्चों को बताया जाए कि वे ''दयालु पतंगें'' ही उड़ाएं जिन्हें सूती धागे से उड़ाया जाए. नोकदार, कांच-लिपटे या धातु वाले मांजे का प्रयोग न किया जाए. इस जानलेवा मांजे की वजह से हर साल अनगिनत पक्षी और कुछ मनुष्यों की जान चली जाती है.

६. अधिकारियों से कहें कि वे ऐसी नीति लागू करें कि स्कूल में पशुओं को न रखा जाए. ''पालतू'' के तौर पर जानवरों को स्कूलों में रखने पर अक्सर उन पर ध्यान नहीं दिया जाता और उनके साथ दुर्व्यवहार होता है, क्योंकि बच्चे ही तो होते हैं, वे जिम्मेदारियों को समझ नहीं पाते, या टीचर्स व्यस्त रहते हैं. जानवरों को खरीदने से पालतू जानवरों के धंधे वालों के हौसले बढ़ते हैं जिससे गैर-जिम्मेदारियों और जानवरों की खरीद को बढ़ावा मिलता है.

७. बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे पशु अधिकार क्लब खोलें और पशुओं के प्रति दया बरतने के बारे में उनसे चर्चा करें, जैसे कि न तो पशुओं को खाएं न ही इनके चमड़े से बने वस्त्र आदि का प्रयोग करें.

८. अन्तरराष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस (१० दिसंबर), पृथ्वी दिवस (२२ अप्रैल) और विश्व पर्यावरण दिवस (५ जून) सहित, विशेष दिनों के अवसर पर पशु-संबंधी मुद्दों पर बातचीत करें.

९. आवारा पशुओं के प्रति बच्चों को दयालुता बरतने, कुत्तों और चिड़ियों के लिए पानी के कटोरे रखने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें.

१०. जागरूकता लाने के लिए पशु अधिकारों के बारे में बोर्ड बनाकर लगाएं.

११. विद्यालय के उत्सवों, अभिभावक-अध्यापक बैठकों और अन्य कार्यक्रमों के दौरान एक सूचना पटल बनाएं जिससे कि और लोगों को साहित्य बांटा जा सके और उनसे पशुओं के अधिकारों के बारे में बातचीत की जा सके. आपूर्ति के लिए आप हमसे Info@compassionatecitizen.org पर संपर्क करें.

१२. पशु-संरक्षण मुद्दों के बारे में पोस्टर प्रतियोगिताएं करने, वाद-विवाद तथा निबंध प्रतियोगिताओं में बच्चों को शामिल करें.

१३. बच्चों को प्लास्टिक छोड़ने हेतु प्रोत्साहित करें! क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक की थैलियां ज़मीन में गाड़ दिए जाने के बाद हज़ारों वर्ष तक नष्ट नहीं होतीं? प्लास्टिक के कबाड़ से आवारा गायों और भैंसों को नुकसान पहुंचता है क्योंकि वे अनजाने में इन्हें खा लेती हैं और इससे हर वर्ष समुद्र में अनगिनत जीव मर जाते हैं.

१४. किसी गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की सहायता से अपने एरिया के आवारा कुत्तों और बिल्लियों को बांझ करवा दें ताकि उनकी संख्या बहुत अधिक न बढ़ने पाए. आप यह सुनिश्चित करें कि एनजीओ उन पशुओं को वहीं छोड़कर आए जहां से उन्हें लाया गया था.

१५. पेड़ लगाएं और पर्यावरण को हरा-भरा बनाने की दिशा में अपना योगदान दें.

आइये जानें कि आपके स्कूल में क्या हो रहा है, और हो सकता है कि यह पीटा की ओर से दयालु विद्यालय पुरस्कार पाने का पात्र हो. जो स्कूल ऊपर बताए गए पहले छह कदम उठाता है वह अपने आप ही इसका पात्र हो जाता है. आप Info@compassionatecitizen.org पर प्रश्न भी भेज सकते हैं और अपनी टिप्पणियां कर सकते हैं.

COMPASSIONATE CITIZEN

COMPASSIONATE CITIZEN

शिक्षक की मार्गदर्शिका

परिचय

दयालु नागरिक एक स्वतंत्र शैक्षिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य बच्चों की सभी जीवों के प्रति सम्मान और करुणा विकसित करने तथा जानवरों के लिए बदलाव करने में सहायता करना है.

लक्षित श्रोता

यह कार्यक्रम ८ से १२ वर्ष के छात्रों द्वारा इस्तेमाल करने के लिए है, लेकिन हम शिक्षकों को उन अनुशंसित दिशा-निर्देशों और गतिविधियों को शामिल करने के लिए आमंत्रित करते हैं जिनको वे अपने खास छात्रों के लिए उपयुक्त पाते हैं.

कार्यक्रम के उद्देश्य

दयालु नागरिक निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बनाया गया है:

- छात्रों की इस समझ में वृद्धि करना कि सभी जानवर जीवित हैं, भावनाएं महसूस करते हैं जो हमारा ध्यान, सम्मान और सुरक्षा चाहते हैं
- विद्यार्थियों को यह पहचानने में मदद करना कि जानवरों को अक्सर वैसी ही जरूरतें और भावनाएं चाहिए जैसी वे खुद महसूस करते हैं, जो छात्रों में दूसरे प्राणियों के प्रति सहानुभूति विकसित करने में उनकी मदद करेगी
- छात्रों को जानवरों की आकर्षक विशेषताओं और क्षमताओं की सराहना करने में सक्षम करना
- छात्रों को यह समझने में मदद करें कि जैसे-जैसे जानवरों के बारे में हमारे ज्ञान में वृद्धि हुई है, मानवों का जानवरों के प्रति सम्मान कैसे बदला है और विकसित हुआ है
- छात्रों को अपने जीवन में जानवरों की सहायता करने की जिम्मेदारी लेने का तरीका दिखाने के अलावा उनको उस प्रगति को पहचानने के लिए सशक्त बनाने में मदद करके जिसे हमने समाज के रूप में पशुओं का इस्तेमाल न करके किया है

दयालु नागरिक को छात्रों के निम्नलिखित लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता करने के आपके प्रयासों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है:

- लिखने या बोलने के दौरान उचित व्याकरण और उसके इस्तेमाल पर पकड़ का प्रदर्शन करें
- लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्न और वर्तनी पर पकड़ का प्रदर्शन करें
- पढ़ने की समझ को प्रदर्शित करें
- महत्वपूर्ण सोच-विचार और समस्या को सुलझाने के कौशल को अमल में लाए
- अनुसंधान करें

कार्यक्रम के हिस्से

- दयालु नागरिक डीवीडी
- शिक्षक की मार्गदर्शिका
- बार-बार प्रदर्शित की जा सकने वाली गतिविधि की शीट
- बार-बार प्रदर्शित की जा सकने वाली दयालुता की शपथ
- बार-बार प्रदर्शित की जा सकने वाली रंगीन शीट
- क्लासरूम पोस्टर

गतिविधि की रूपरेखा और जवाब के निर्देश

जानवर हमारे जैसे ही हैं

भाग १: स्वर्ण नियम और आप

इस गतिविधि के लिए, छात्रों को पांच परिस्थितियां दी जाएंगी, जिसमें उन्हें पशुओं की आवश्यकताओं और भावनाओं के बारे में अपनी समझके आधार पर काम करने का फैसला करना होगा. उनके सामने स्वर्ण नियम का पालन करने की चुनौती होगी.

आप बोर्ड पर स्वर्ण नियम – ''दूसरों के साथ वैसा ही बतार्व करें जैसा आप उनसे अपने लिए चाहते हैं'' – लिखकर और कक्षा के साथ चर्चा करके इस गतिविधि को शुरू कर सकते हैं. छात्रों से पूछें, ''क्या इंसानों ने जानवरों के साथ इस नियम के अनुसार बर्ताव किया है या क्या वे इसका पालन करने में नाकाम रहे हैं?'' उनको उदाहरण दीजिए और ऐसे जानवरों की मदद करने के तरीके बताने का सुझाव दें जिनके साथ इस नियम के अनुसार बर्ताव नहीं किया जा रहा है.

जवाब अलग-अलग होंगे. यहां कुछ संभावित प्रतिक्रियाएं हैं:

१. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** बैल को पीटने से उसे दर्द होगा, लेकिन वह तेजी से नहीं चलेगा क्योंकि गाड़ी बहुत भारी है.

   आप क्या कर सकते हैं: सुझाव दें कि किसान बैल को पीटना बंद करे और भार को कम करे. यदि जानवर चोट लगी है, तो किसी अन्य वयस्क को पशुचिकित्सक या स्थानीय पशु-संरक्षण समूह को कॉल करने के लिए कहें.

२. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** घायल पक्षी की मदद करने के लिए कोई भी नहीं रुका.

   आप क्या कर सकते हैं: पक्षी को और ज्यादा चोट पहुंचने से बचाएं. किसी वयस्क से कहें कि वह जीव को इलाज के लिए पशुचिकित्सक के पास ले जाए या स्थानीय पशु-सुरक्षा समूह को सहायता के लिए बुलाएं.

३. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** कुत्ते की भोजन, पानी, व्यायाम और साहचर्य की बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज किया जा रहा है.

   आप क्या कर सकते हैं: अपने माता-पिता, शिक्षक या साथ आए किसी अन्य वयस्क से कहें कि वे पशु के मालिक को बताएं कि कुत्ते को भोजन और पानी की जरूरत है और इसे बाहर जंजीर से बांधा नहीं जाना चाहिए. यदि मालिक जरूरी बदलाव नहीं करता है, तो स्थानीय पशु-संरक्षण समूह से संपर्क करें और स्थिति के बारे में आपसे जितना हो सके अधिक से अधिक जानकारी दें.

४. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** कछुए को जंगल से निकालने से जानवर का जीवन खतरे में आ जाता है.

   आप क्या कर सकते हैं: कछुए को जंगल में छोड़ें और अपने दोस्त को बताएं कि जानवरों को उनके प्राकृतिक निवास स्थान से हटाना क्यों गलत है.

५. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** पक्षियों को आजाद उड़ना और दूसरे पक्षियों के साथ मिलने-जुलने होने की जरूरत होती है, न कि पिंजरे में अकेले बैठना.

   आप क्या कर सकते हैं: अपनी चचेरी बहन से कहें कि पिंजरे में रखने से पक्षी दुखी हो जाते हैं और उन्हें अपने प्राकृतिक घरों में रहने देना चाहिए.

भाग २: सहानुभूति की आदत

इस गतिविधि को विद्यार्थियों की समझ को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है, कि जानवर बहुत कुछ मनुष्यों जैसे ही हैं और उनके साथ सम्मान और करुणा के साथ बर्ताव किया जाना चाहिए, भले ही वे कितने अलग दिखते हों. यह छात्रों को उन कुत्तों के बारे में एक वाक्य पढ़ने के लिए आमंत्रित करता है, जो मनुष्य के बच्चे की रक्षा करते हैं. पाठ दर्शाता है कि जानवरों में दूसरों के लिए चिंता और सहानुभूति की अनुभूति होती है. गतिविधि फिर छात्रों को चुनौती देती है कि वे विशिष्ट परिस्थितियों में तीन अलग-अलग जानवरों की भावनाओं की कल्पना कर सकें और सूचीबद्ध कर सकें.

जवाब अलग-अलग होंगे. कुछ संभावित प्रतिक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हो सकती हैं:

१. खुश, प्यार, निश्चिंत
२. परेशान, निराश, उदास
३. डर, उदास, अकेला

भाग ३: मैं एक जानवर हूं
इस गतिविधि में, छात्र अपनी पसंद के एक जानवर के नजरिये से एक संक्षिप्त कहानी लिखेंगे और उन तीन इच्छाओं के बारे में सोचेंगे जिनकी जानवर इच्छा कर सकते हैं. वे चित्र के साथ अपनी कहानी का वर्णन भी कर सकते हैं. आप उनसे ऐसे पालतू जानवरों या लावारिस पशुओं जिनको वे जानते हैं की भावनाओं पर चर्चा करने के लिए पूछकर भी इस कार्य को करने की इच्छा कर सकते हैं. पूछें कि वे इन जानवरों की भावनाओं को कैसे पहचान सकते हैं. जानवरों के आस-पास की परिस्थितियों के अनुसार उनका व्यवहार कैसे बदलता है? फिर, सुझाव दें कि अन्य जानवरों को इसी तरह की भावनाओं का अनुभव हो सकता है.

छात्रों के व्यक्तिगत अनुभव और क्षमताओं के अनुसार जवाब अलग-अलग होंगे. सुनिश्चित करें कि वे अपनी कहानी प्रथम व्यक्ति में लिखते हैं लेकिन पशु के दृष्टिकोण से.

पशु अद्भुत होते हैं

भाग १: जानवरों से जुड़े कमाल के तथ्य
यहां, छात्रों को ऐसे जानवरों के बारे में कई सच्चे और आकर्षक तथ्यों की जानकारी मिलेगी, जिससे पता चलता है कि वे कितने जटिल और बुद्धिमान हैं. छात्रों को अपना लेखन कार्य शुरू करने से पहले, कथनों के बारे में कक्षा में चर्चा करें. आप तथ्यों की सूची पढ़ सकते हैं, छात्रों से कहें कि जब वे हैरान हों तो अपने हाथ उठाएं और उनके बारे में अपने विचार साझा करें.

छात्रों के विचारों के आधार पर जवाब अलग-अलग होंगे.

भाग २: जानवर से जुड़ी अपनी जानकारी को आजमाएं
इस गतिविधि को छात्रों को जानवरों की कुछ अतिरिक्त आश्चर्यजनक पशु विशेषताओं और क्षमताओं को बताकर यह जानने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है कि जानवर किस तरह अलग और जटिल हैं. यहां सूचीबद्ध सभी तथ्य दयालु नागरिक डीवीडी में शामिल हैं, इसलिए यदि संभव हो तो वीडियो देखने के बाद यह गतिविधि करें.

ध्यान दें कि सभी कथन सही हैं. उनकी उन छात्रों के साथ समीक्षा करें, जो जवाब में मफ़ालतङ्ङ कहते हैं और वीडियो देखें.

भाग ३: वे कैसा महसूस करते हैं?
यहां, छात्र सोचते हैं कि वे एक खास जंगली जानवर हैं. उन्हें उन प्रजातियों के निवास स्थान पर अनुसंधान करने दें और उनके घर और जीवन पर खतरे के बारे में मानवों को एक आवेगपूर्ण पत्र लिखने दें.

छात्रों के व्यक्तिगत अनुभव और क्षमताओं के साथ-साथ उनके चुने हुए जानवरों के अनुसार जवाब अलग-अलग होंगे. आप पुराने छात्रों द्वारा संपादक को लिखे पत्र ले सकते हैं और उन उपयुक्त वेबसाइटों, पत्रिकाओं, या समाचार पत्रों का सुझाव दे सकते हैं जो उन्हें प्रकाशित कर सकते हैं.

आप जानवरों को कैसे बचा सकते हैं

भाग १: जानवर के सबसे अच्छे दोस्त बनें
इस गतिविधि के लिए, सहानुभूति दिखाने और उनकी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए छात्र अपने घरों में रहने वाले जानवरों की जरूरतों, भावनाओं और विचारों पर मंथन करेंगे. छात्रों को एक पालतू जानवर चुनना चाहिए और फिर उन चीजों की सूची बनाएं जो उस जानवर को पसंद और नापसंद है, वे चीजें जिनको वे खुद पसंद और नापसंद करते हैं और वे चीजें जिनको वे और जानवर दोनों पसंद और नापसंद करते हैं.

जवाब अलग-अलग होंगे. यहां एक संभावित प्रतिक्रिया है:

कुत्ते को पसंद है:	हम दोनों को पसंद है:	मुझे पसंद है:
गेंद के साथ खेलना	स्वादिष्ट भोजन खाना	वीडियो गेम खेलना

यदि उनके परिवार अपने घरों में जानवर का स्वागत करते हैं तो, इस अवसर को पशु आश्रय या सड़क से कुत्ते या बिल्ली को अपनाने के महत्व पर चर्चा करने के लिए इस्तेमाल करें, इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित करने का महत्व पर भी प्रकाश डालें कि वे पशु की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं. कई छात्र बिना इस बात को जाने कि जानवर पशु व्यापार में पीड़ित होते हैं, अपने माता-पिता को मछली, चूहे, हेम्सस्टर, खरगोश, पक्षियों और यहां तक कि बिल्लियों और कुत्तों जैसे जानवरों को उन पालतू जानवरों की दुकान से खरीदने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो उनसे जीवों की बजाए वस्तुओं की तरह बर्ताव करते हैं और उनकी बहुत खास जरूरतों को पूरा करने में विफल रहते हैं.

भाग २: बदलता समय, बदलती सोच

यह गतिविधि आज के दौर में मनुष्यों द्वारा जानवरों का इस्तेमाल किए जाने के कई तरह के तरीकों के बारे में छात्रों को जानकारी देती है और इन उद्देश्यों के लिए जानवरों का इस्तेमाल करने के लिए मौजूदा या नए विकल्पों के बारे में उन्हें सोचने की चुनौती देती है.

जवाब अलग-अलग होंगे. कुछ संभावित प्रतिक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

१. ट्रैक्टर का उपयोग करना
२. कैनवास या किसी अन्य गैर-जानवर सामग्री से जूते बनाना
३. सर्कस से जानवरों को बचाना, उन्हें प्रतिष्ठित अभयारण्यों में भेजना जहां वे शांति के साथ अपने बचे दिन गुजार सकते हैं, और पशु-मुक्त मनोरंजन के विकल्पों का समर्थन करना.

भाग ३: जानवर की ज्यादा जनसंख्या = दुखद गणित

यहां, छात्र उन जानवरों की संख्या की गणना करेंगे, जो तब पैदा हो सकते हैं, जब लोग अपने कुत्ते या बिल्ली की पशुचिकित्सा द्वारा नसबंदी नहीं करवाते हैं. इस गतिविधि के माध्यम से, वे बेघर-जानवरों की ज्यादा जनसंख्या के संकट और समाधानों पर बेहतर समझ प्राप्त करेंगे.

		६	६	७
		३६	५४	२४
१	६			९६
+ ६	+ १८	+ ५४	+ १६२	+ २२२
७ (कुल ए)	२४ (कुल बी)	९६ (कुल सी)	२२२ (कुल डी)	३४९ (कुल योग)

अंतिम दो सवालों के जवाब अलग-अलग होंगे, लेकिन सुनिश्चित करें कि छात्र इस बात को समझें कि जानवरों की नसबंदी करना और उन्हें पालतू जानवरों की दुकानों या ब्रीडर से खरीदने की बजाय उन्हें जानवरों के आश्रयों या सड़क से अपनाना बेघर-पशु संकट को हल करने में मदद करने वाले सर्वोत्तम उपाय हैं. और याद रखें: यह केवल बिल्लियों और कुत्तों पर लागू नहीं होता है – यही बात पालतू जानवरों की दुकानों से खरीदे गए दूसरे जानवरों के लिए भी सही है. अपनाने के द्वारा, छात्र पहले से ही अधिक जनसंख्या वाली दुनिया में और भी अधिक जानवरों को लाकर लाभ कमाने वाले व्यवसायों की मदद करने के बजाय जिंदगियां बचा सकते हैं.

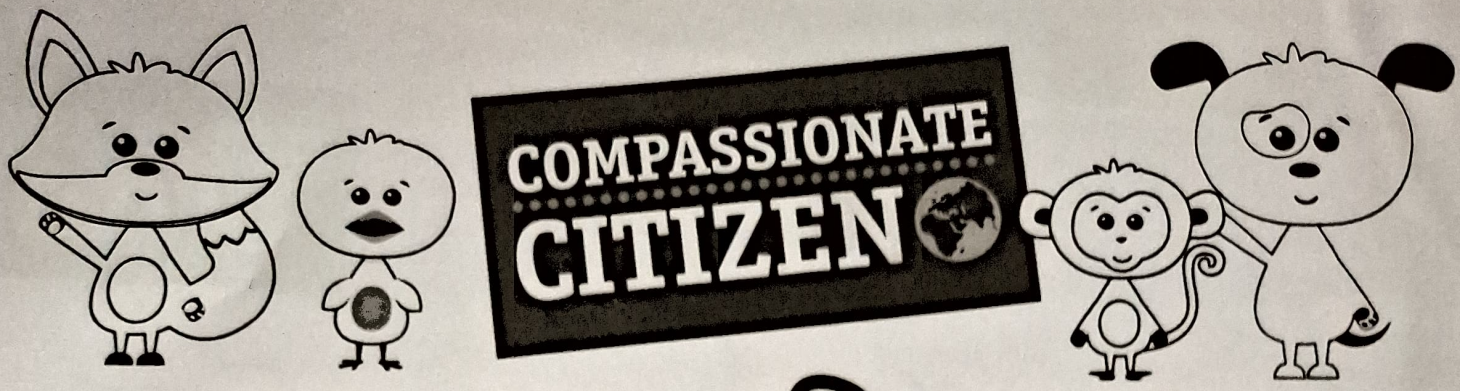

दयालुता की शपथ

मैं, _____,
(नाम)

दुनिया को सभी मनुष्यों और जानवरों के साथ साझा करने की शपथ!

नीचे, कृपया दिए रिक्त स्थानों को उन कार्यों के साथ भरें, जिनको आप दुनिया को साझा करने में सहायता करने के लिए करेंगे.

मैं _____ के द्वारा यह सुनिश्चित करूंगा/करूंगी कि जानवर सुरक्षित रहें.

मैं _____ मके द्वारा जानवरों के प्रति दयालु रहूंगा/रहूंगी.

मैं _____ के द्वारा पर्यावरण की रक्षा करूंगा/करूंगी.

मैं _____ के द्वारा जानवरों के लिए सम्मान दिखाऊंगा/दिखाऊंगी.

मैं _____ के द्वारा डराने-धमकाने के खिलाफ आवाज उठाऊंगा/उठाऊंगी.

मैं _____ के द्वारा साथी जानवरों (जैसे बिल्लियों और कुत्तों) की सहायता करूंगा/करूंगी.

मैं _____ के द्वारा जानवरों का जीवन बचाऊंगा/बचाऊंगी.

गोल्डन रूल का पालन करके और सभी मनुष्यों और जानवरों से उसी तरह बर्ताव करके जैसे हम अपने साथ किया जाना चाहते हैं, हम सभी दुनिया को साझा कर सकते हैं और हर किसी के लिए इसे बेहतर स्थान बना सकते हैं. ☺

COMPASSIONATE CITIZEN

जानवरों के प्रति दयालु होना महत्वपूर्ण है क्योंकि

_____

_____.

१. आप एक किसान को एक ऐसे बैल को पीटते देखते हैं, जो भारी गाड़ी खींचने के लिए थका हुआ है

ए. इस स्थिति में गोल्डन नियम का पालन क्यों नहीं हुआ है?

बी. आप इसे बदलने के लिए क्या करेंगे?

---

२. आप देखते हैं कि एक व्यस्त सड़क पर एक पक्षी गिरा हुआ है जिसके पंख टूटे हुए हैं जिसकी वजह से वह उड़ नहीं सकता [illegible]

ए. यह स्थिति गोल्डन नियम क्यों नहीं है?

बी. आप इसे बदलने के लिए क्या करेंगे?

---

३. एक दिन अपने स्कूल आने-जाने के रास्ते पर, आप छोटे जंजीरों में बंधा हुआ एक कुत्ता देखते हैं, जिसके आस-पास कोई खाना या पानी नहीं रखा है

ए. इस स्थिति में गोल्डन नियम का पालन क्यों नहीं हुआ है?

बी. आप इसे बदलने के लिए क्या करेंगे?

---

४. आपका किसी होटल जाकर में एक कछुआ पाता है और उसे घर ले आता है

ए. इस स्थिति में गोल्डन नियम का पालन क्यों नहीं हुआ है?

बी. आप इसे बदलने के लिए क्या करेंगे?

---

५. आपकी सहेली बहुत चाहती है कि उसके पास एक पक्षी हो [illegible] पिंजरे में रखेगी

ए. इस स्थिति में गोल्डन नियम का पालन क्यों नहीं हुआ है?

बी. आप इसे बदलने के लिए क्या करेंगे?

भाग २: सहानुभूति की आदत डालना

कुछ लोग जानवरों को अपने सबसे अच्छे दोस्त के रूप में देखते हैं. दूसरे उनको भयानक के रूप में देखते हैं. और कुछ लोग तो शायद ही कभी उनके बारे में सोचते हैं! लेकिन सभी जानवर – जंगल में घुमने वाले सबसे विशाल हाथी से लेकर समुद्र में रहने वाली सबसे छोटी मछली तक – यह सब जीवित हैं, भावनाएं महसूस करते हैं, बिल्कुल हमारी तरह. हम उनके लिए **सहानुभूति** रखकर उनके जीवन के बारे में और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं – दूसरे शब्दों में, यह समझने के लिए कि वे कैसा महसूस करते हैं उनकी जगह खुद को रखने की कल्पना करके.

निम्नलिखित कहानी एक ऐसी स्थिति का वर्णन करती है जिसमें कुत्तों ने मानव के बच्चे के लिए सहानुभूति दिखाई.

भारतीय कुत्तों ने मनुष्य के बच्चे को खतरे से बचाया

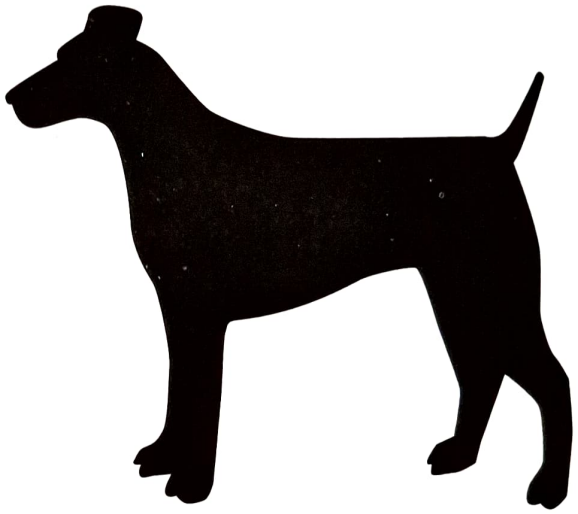

अखबार आजकल में दिखाई गई एक कहानी के अनुसार, १९९६ की वसंत की एक शाम, कोलकाता में भूखे, बेघर कुत्तों का एक दल कचरे के ढेर में खाना ढूंढ रहा था, वहां उन्होंने एक नवजात कन्या शिशु को देखा, जिसे कचरे के पास रखा गया था. कुत्तों ने बच्ची को सूंघा, जो ठंडी थी और रो रही थी. वे शायद पहले कभी मनुष्य के बच्चे से मिले भी नहीं थे. लेकिन उन्होंने देखा कि वह छोटी और असहाय थी और उनको एहसास हुआ कि कचरा उसके रहने की जगह नहीं थी – वहां कई खतरे थे, और वहां उसे खिलाने-पिलाने या उसे गर्म रखने के लिए कोई भी नहीं था. इसलिए उन्होंने तुरंत भोजन की तलाश बंद कर दी और रात भर उसके साथ रहे. सुबह, कुछ स्थानीय लोग कचरे के पास से गुजरे और उन्होंने उस बच्ची को देखा. कुत्तों ने उनको उसे उठाने दिया, ये समझते हुए कि वे उसे किसी ऐसी जगह ले जाएंगे जो सुरक्षित होगी. स्थानीय लोग उसे एक पुलिस स्टेशन में ले गए और कुत्तों ने उनका पीछा किया और फिर बाहर इंतजार किया. जब उसके माता-पिता का पता नहीं चला, तो उसे खोए हुए बच्चों के घर ले जाया गया, जहां वह सुरक्षित रहेगी.

यह दुनिया भर की उन कई सच्ची कहानियों में से एक है, जिसमें कुत्तों या अन्य जानवरों – जिनमें सूअर, डॉल्फिन, मुर्गियां और यहां तक कि कंगारू भी शामिल हैं – ने लोगों की जरूरत में मदद की है.

कहानी बताती है कि सहानुभूति यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि कोई क्या महसूस कर रहा है. अब, नीचे दी गई प्रत्येक स्थिति को पढ़ें. दिए गए रिक्त स्थान में, लिखिए कि प्रत्येक जानवर कैसा महसूस कर सकता है.

१. एक कुत्ता, जो एक मानव परिवार के साथ उनके घर में दरवाजे पर रहता है, महसूस करता है ...

_____

२. एक चिड़ियाघर में पिंजरे में बंद बाघ महसूस करता है ...

_____

३. एक डेयरी फार्म पर अपनी मां से दूर कर दिए गए बछड़े को महसूस होता है ...

_____

भाग ३: मैं एक जानवर हूं

भाग ३: मैं एक जानवर हूं

अब, अपनी कल्पना को और आगे ले जाइए. कल्पना कीजिए कि आप कोई एक जानवर हैं. उस जानवर के दृष्टिकोण से एक छोटी कहानी लिखें. बताएं कि आप कैसा महसूस करेंगे अगर आप यह जानवर होते और साथ ही आप किसका आनंद लेते, किससे डरते और जीवन में क्या चाहते. उन तीन बातों को भी शामिल करें जो आपकी इच्छाएं हो सकती हैं. अपनी कहानी को एक शीर्षक दें और इस पेज के पीछे एक चित्र बनाएं, जिसका इस्तेमाल इसके स किया जा सके.

भाग २: जानवर से जुड़ी अपनी जानकारी की परीक्षा लें

जानवरों के बारे में आप कितना जानते हैं? चलिए आपकी जानकारी की परीक्षा लें! नीचे दिए प्रत्येक कथन को पढ़ें. यदि कथन सही है तो ''सही'' कॉलम पर या अगर यह गलत है तो ''गलत'' कॉलम पर टिक करें.

	सही	गलत
१. चूहों को गुदगुदी किया जाना पसंद है, और वे चहकने की आवाजें निकालते हैं, जो उसी तरह की होती है जैसी हम हंसते समय निकालते हैं.	❑	❑
२. गायें खेल खेलती हैं और कुछ अपने सबसे अच्छे दोस्तों को उस समय चुनती हैं जब वे बहुत छोटी होती हैं.	❑	❑
३. सूअर वीडियो गेम खेल सकते हैं.	❑	❑
४. मुर्गियां अपने चूजों को आनंदमय गाना सुनाती हैं जब वे अंडे में ही होते हैं.	❑	❑
५. हाथी अपने मृत रिश्तेदारों की हड्डियों को छूकर और पकड़कर शोक जताते हैं.	❑	❑
६. कुत्ते की गंध सूंघने की शक्ति मनुष्य की तुलना में हजारों गुना बेहतर होती है. यहां तक कि कुत्ते स्मोक डिटेक्टरों द्वारा पता लगाए जाने से पहले ही धुएं की गंध सूंघ सकते हैं.	❑	❑
७. चीता दुनिया के सबसे तेज मानव धावकों से दो गुना तेज दौड़ सकते हैं.	❑	❑
८. पक्षी महासागरों के ऊपर और यहां तक कि तूफानों के बीच से खोए बिना सैकड़ों किलोमीटर तक प्रवास करते हैं.	❑	❑
९. ऑक्टोपस और स्क्विड एक दूसरे के साथ संवाद करने के लिए रंग बदलते हैं.	❑	❑

भाग ३: वे कैसा महसूस करते हैं?

हम अभी भी जानवरों की भाषा पूरी तरह से समझ नहीं पाते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि वे अपने तरीके से एक दूसरे के साथ संवाद करते हैं और हम यह कल्पना कर सकते हैं कि वे क्या सोचते हैं और क्या महसूस करते हैं.

एक जंगली जानवर चुनें और उस प्रजाति के प्राकृतिक निवास स्थान के बारे में पता करें. फिर, कागज की एक खाली शीट पर, जानवरों के दृष्टिकोण से मानवों को एक पत्र लिखिए, जिसमें मानवों के कारण हुई उस समस्या का जिक्र करें जो उस प्रजाति को प्रभावित करता है जैसे शिकार या वनों का विनाश. अपने आप को जानवर के स्थान पर रखें और बताएं कि आप अपने घर और जीवन के बारे में क्यों चिंतित हैं.

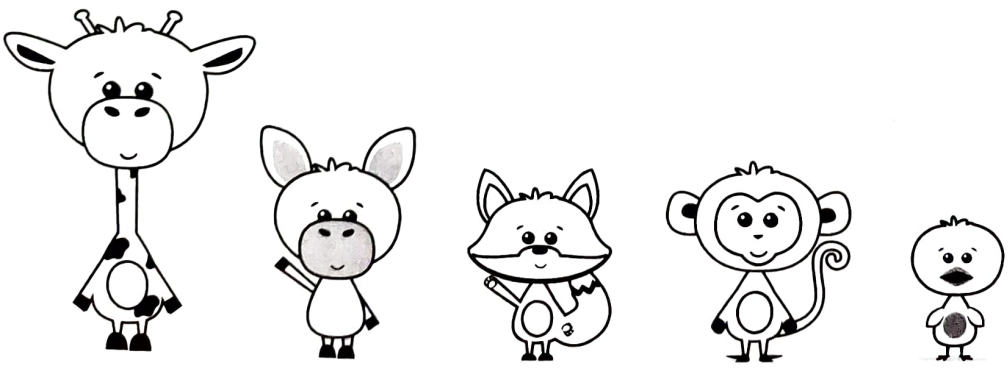

पशु कमाल के होते हैं

COMPASSIONATE CITIZEN

भाग १: जानवरों से जुड़े कमाल के तथ्य

आप जानवरों के बारे में जितना अधिक जानेंगे, जैसे कि वे क्या कर सकते हैं और वे कैसे व्यवहार करते हैं, आप उतना ही अधिक देखेंगे कि वे कितने दिलचस्प होते हैं. यहां जानवरों के बारे में कुछ ऐसे ही दिलचस्प तथ्य दिए गए हैं जो आपको हैरान कर सकते हैं:

- ✓ डॉल्फिनों ने टूटे जहाज से बचे हुए लोगों की डूबने से और शार्कों से रक्षा की है, कभी-कभी कई किलोमीटर तक लोगोंको तैराने में मदद की.
- ✓ बीवर समाज में रहते हैं जिसमें घर, लॉज और खाद्य भंडारण शामिल होते हैं.
- ✓ मुर्गियां भविष्य के बारे में चिंता करती हैं.

- ✓ जब खतरा या खराब मौसम होता है तो गायें अपने बछड़ों को सुरक्षा देने के लिए उनके चारों ओर घेरा बना लेती हैं.
- ✓ हाथी मिट्टी में चित्र बनाने के लिए कभी-कभी टहनियों का उपयोग करते हैं.
- ✓ बारिश को अंदर आने से रोकने के लिए ओरंगुटान अपने मफ्घोंसलेङ्घङ्घ के ऊपर प्लेटफॉर्म का निर्माण करते हैं और बड़ी पत्तियां छतरियों की तरह डालते हैं.
- ✓ ''वार्ब्लर्स'' नाम के पक्षी कनाडा से लेकर दक्षिण अमेरिका तक और फिर वहां से उड़ान भरते हुए, फिर उसी जगह बने अपने घोंसले पर लौट आते हैं.
- ✓ भेड़ कम से कम ५० दूसरी भेड़ों के चेहरे को पहचान सकती हैं और उन्हें याद रख सकती हैं.

- ✓ अंटार्कटिक के जमा देने वाले मौसम में, भोजन के बिना नर एंपरर पेंगुइन मादाओं के अंडों को दो महीनों तक सुरक्षित और गर्म रखते हैं.
- ✓ ''इलेक्ट्रिक'' मछली और ईल विद्युत संकेतों को भेजकर एक दूसरे के साथ संवाद करती हैं.

उस तथ्य को चुनें जिसने आपको सबसे अधिक हैरान किया. यह जानकारी उस जानवर के बारे में सोचने या महसूस करने के आपके तरीके को कैसे बदलती है? कुछ वाक्यों में, अपनी प्रतिक्रिया बताएं:

भाग २: जानवर से जुड़ी अपनी जानकारी की परीक्षा लें

जानवरों के बारे में आप कितना जानते हैं? चलिए आपकी जानकारी की परीक्षा लें! नीचे दिए प्रत्येक कथन को पढ़ें. यदि कथन सही है तो ''सही'' कॉलम पर या अगर यह गलत है तो ''गलत'' कॉलम पर टिक करें.

	सही	गलत
१. चूहों को गुदगुदी किया जाना पसंद है, और वे चहकने की आवाजें निकालते हैं, जो उसी तरह की होती है जैसी हम हंसते समय निकालते हैं.	❑	❑
२. गायें खेल खेलती हैं और कुछ अपने सबसे अच्छे दोस्तों को उस समय चुनती हैं जब वे बहुत छोटी होती हैं.	❑	❑
३. सूअर वीडियो गेम खेल सकते हैं.	❑	❑
४. मुर्गियां अपने चूजों को आनंदमय गाना सुनाती हैं जब वे अंडे में ही होते हैं.	❑	❑
५. हाथी अपने मृत रिश्तेदारों की हड्डियों को छूकर और पकड़कर शोक जताते हैं.	❑	❑
६. कुत्ते की गंध सूंघने की शक्ति मनुष्य की तुलना में हजारों गुना बेहतर होती है. यहां तक कि कुत्ते स्मोक डिटेक्टरों द्वारा पता लगाए जाने से पहले ही धुएं की गंध सूंघ सकते हैं.	❑	❑
७. चीता दुनिया के सबसे तेज मानव धावकों से दो गुना तेज दौड़ सकते हैं.	❑	❑
८. पक्षी महासागरों के ऊपर और यहां तक कि तूफानों के बीच से खोए बिना सैकड़ों किलोमीटर तक प्रवास करते हैं.	❑	❑
९. ऑक्टोपस और स्क्विड एक दूसरे के साथ संवाद करने के लिए रंग बदलते हैं.	❑	❑

भाग ३: वे कैसा महसूस करते हैं?

हम अभी भी जानवरों की भाषा पूरी तरह से समझ नहीं पाते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि वे अपने तरीके से एक दूसरे के साथ संवाद करते हैं और हम यह कल्पना कर सकते हैं कि वे क्या सोचते हैं और क्या महसूस करते हैं.

एक जंगली जानवर चुनें और उस प्रजाति के प्राकृतिक निवास स्थान के बारे में पता करें. फिर, कागज की एक खाली शीट पर, जानवरों के दृष्टिकोण से मानवों को एक पत्र लिखिए, जिसमें मानवों के कारण हुई उस समस्या का जिक्र करें जो उस प्रजाति को प्रभावित करता है जैसे शिकार या वनों का विनाश. अपने आप को जानवर के स्थान पर रखें और बताएं कि आप अपने घर और जीवन के बारे में क्यों चिंतित हैं.

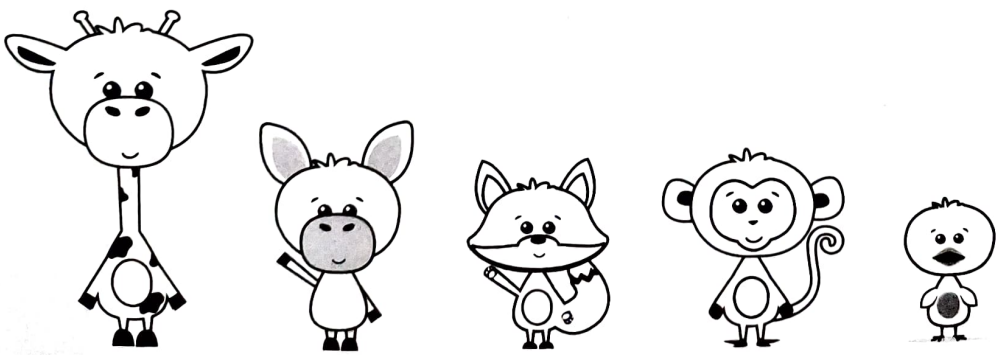

आप जानवरों को कैसे बचा सकते हैं

COMPASSIONATE CITIZEN

भाग १: जानवर के सबसे अच्छे दोस्त बनें

कुत्ते, बिल्लियां और दूसरे जानवर साथी, जो हमारे घरों में रहते हैं वे जंगली नहीं हैं – वे पालतू हैं. इसका मतलब यह है कि वे अपने संरक्षक (जो हम हैं!) पर निर्भर हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके पास वह सब कुछ है जो सुरक्षित और सुखी जीवन के लिए उन्हें चाहिए. जानवरों की देखभाल करना एक बड़ी जिम्मेदारी है, और उनकी जरूरतों के बारे में जानना तथा उन्हें क्या पसंद और क्या नापसंद है इस बारे में ध्यान देना बहुत महत्वपूर्ण है.

इस गतिविधि के लिए, एक पालतू पशु चुनें. उन दो चीजों के बारे में सोचें जो पशु को पसंद है, दो चीजें जो आपको पसंद हैं, और दो चीजें जिनको आप दोनों पसंद करते हैं. उन्हें नीचे दिए गए रिक्त स्थान में लिखें.

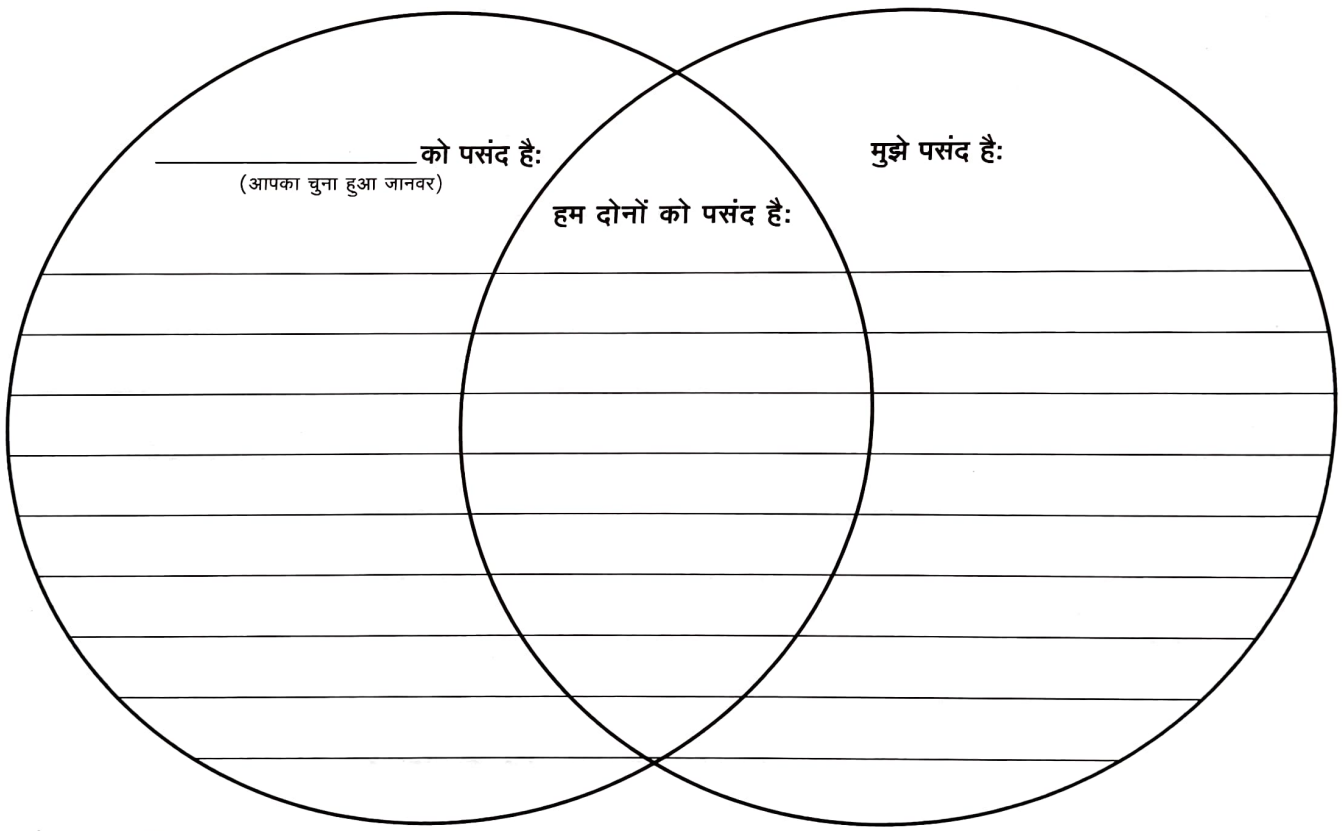

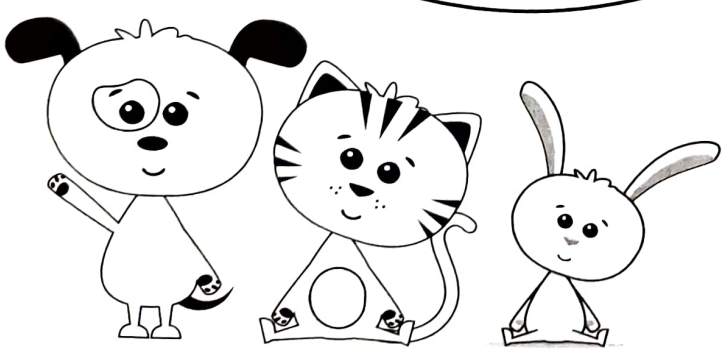

भाग १: जानवर के सबसे अच्छे दोस्त बनें

उन दो चीजों के बारे में सोचें जो जानवर को नापसंद है, दो चीजें जो आपको नापसंद हैं, और दो चीजें जिनको आप दोनों नापसंद करते हैं. उन्हें नीचे दिए गए रिक्त स्थान में लिखें.

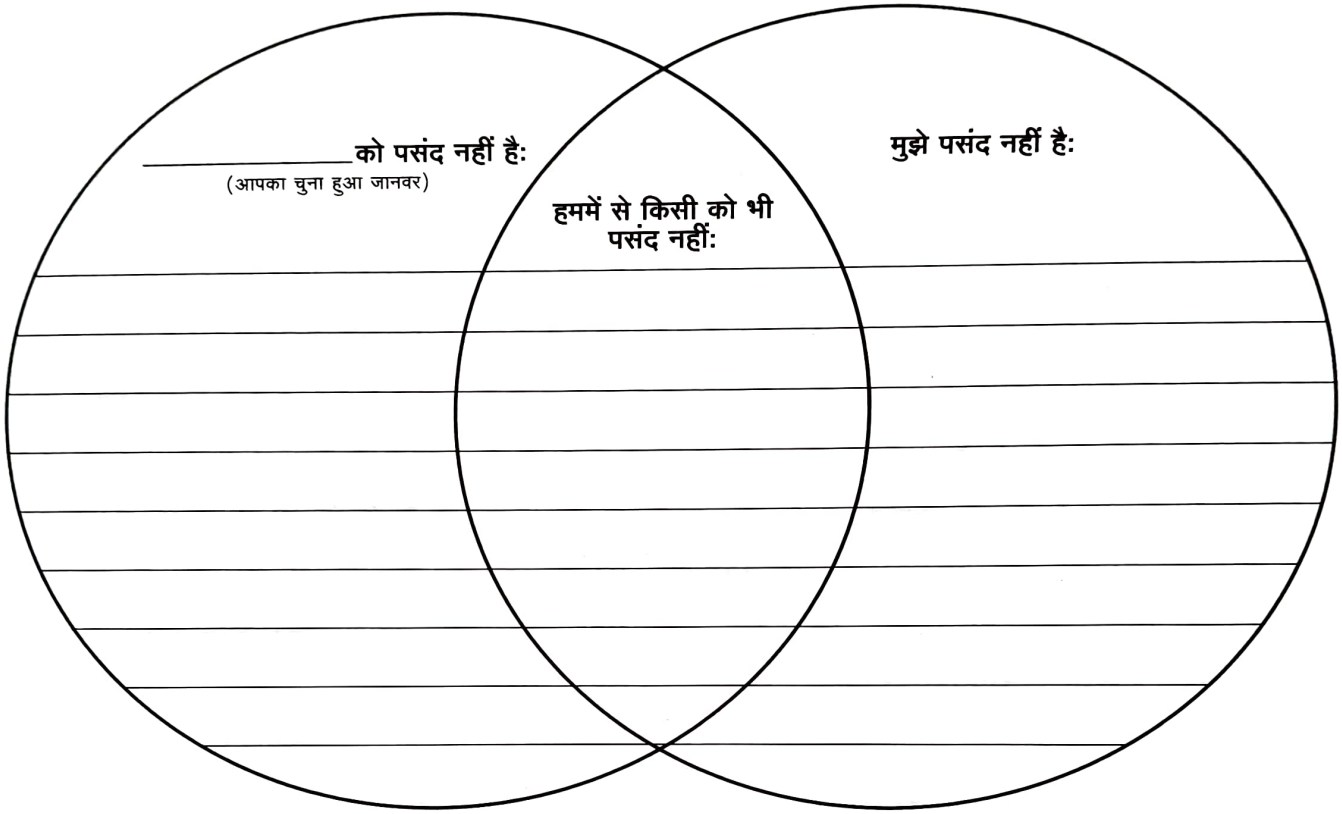

और याद रखें: यदि आप अपने घर में कोई जानवर ला रहे हैं, तो उसे कभी भी पेट स्टोर या ब्रीडर से न खरीदें. बिल्लियां, कुत्ते, खरगोश, मछली, चूहे, माइस और पक्षियों को पालतू पशु के व्यापार में पीड़ित होना पड़ता है, जो उनसे वस्तुओं की तरह बर्ताव करता है, जीवित प्राणी की तरह नहीं. भारत भर में आश्रयों में घरों की प्रतीक्षा करने वाले लाखों प्यारे जानवर हैं. इन्हें अपनाकर इनके जीवन को बचाएं!

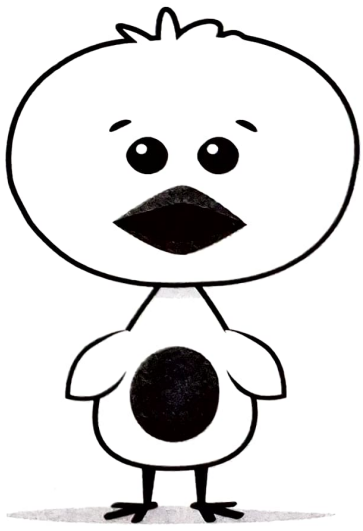

आप जानवरों को कैसे बचा सकते हैं

COMPASSIONATE CITIZEN

भाग १: जानवर के सबसे अच्छे दोस्त बनें

कुत्ते, बिल्लियां और दूसरे जानवर साथी, जो हमारे घरों में रहते हैं वे जंगली नहीं हैं – वे पालतू हैं. इसका मतलब यह है कि वे अपने संरक्षक (जो हम हैं!) पर निर्भर हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके पास वह सब कुछ है जो सुरक्षित और सुखी जीवन के लिए उन्हें चाहिए. जानवरों की देखभाल करना एक बड़ी जिम्मेदारी है, और उनकी जरूरतों के बारे में जानना तथा उन्हें क्या पसंद और क्या नापसंद है इस बारे में ध्यान देना बहुत महत्वपूर्ण है.

इस गतिविधि के लिए, एक पालतू पशु चुनें. उन दो चीजों के बारे में सोचें जो पशु को पसंद है, दो चीजें जो आपको पसंद हैं, और दो चीजें जिनको आप दोनों पसंद करते हैं. उन्हें नीचे दिए गए रिक्त स्थान में लिखें.

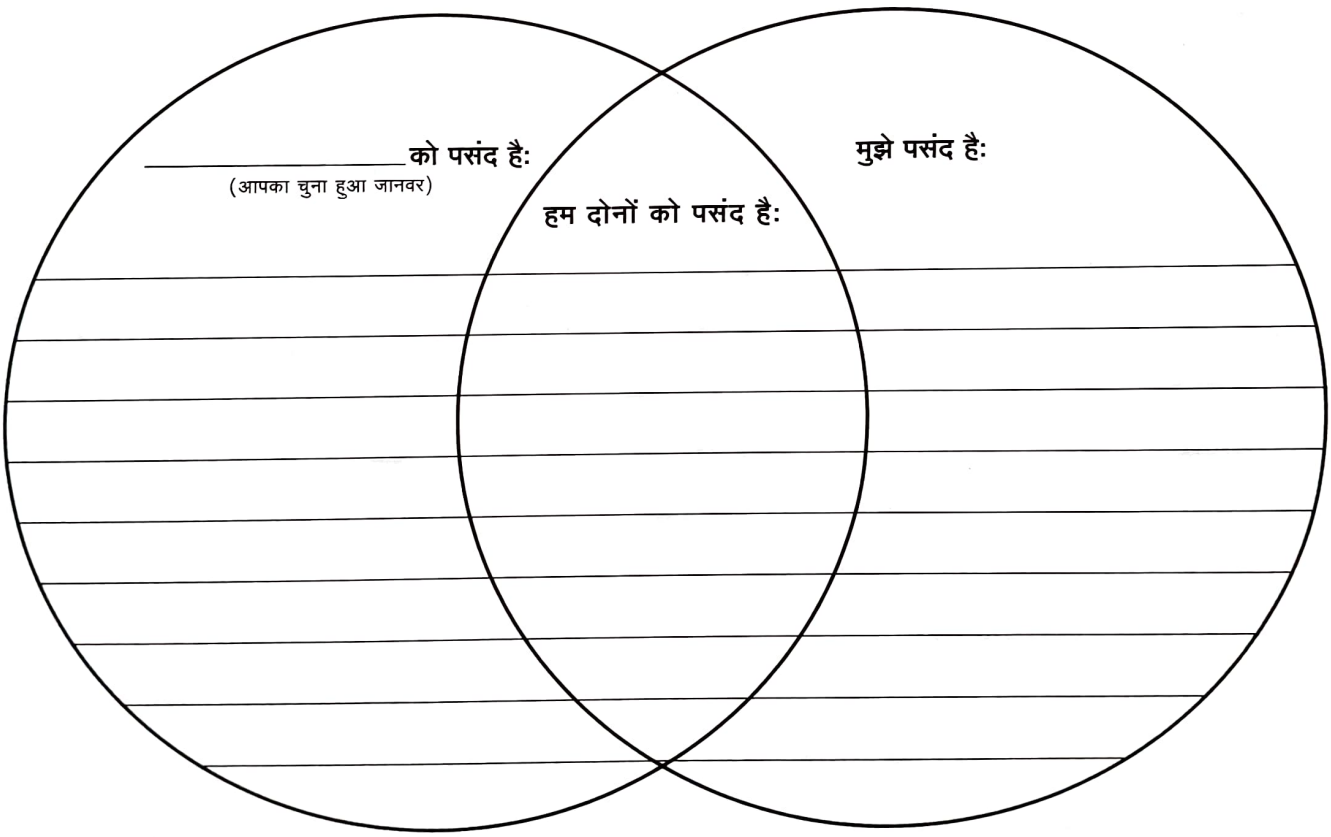

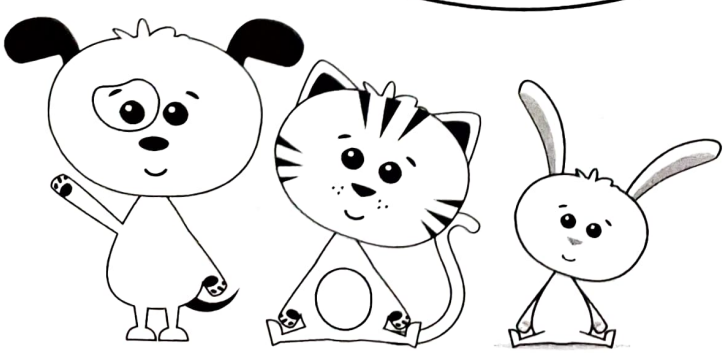

भाग २: बदलता समय, बदलती सोच

पूरे इतिहास के दौरान, मनुष्यों ने जानवरों का खुद के स्वार्थ के लिए इस्तेमाल किया है. लेकिन शुक्र है कि, हम यह एहसास करना शुरू कर रहे हैं कि वे हमारे द्वारा इस्तेमाल किए जाने या दुर्व्यवहार किए जाने के लिए नहीं हैं. नीचे दिए गए तरीकों के बारे में सोचें, जिसमें मनुष्य जानवरों का इस्तेमाल करते हैं, फिर हर एक के लिए पशु-अनुकूल विकल्प लिखें.

ईंटों को ढोने के लिए गधों का इस्तेमाल करना

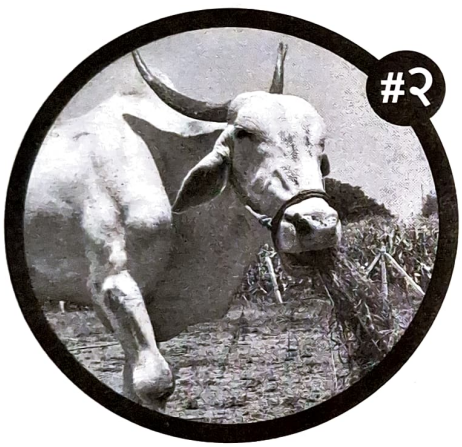

गायों की चमड़ी को जूतों में बदलना

जानवरों को सर्कस में करतब करने के लिए मजबूर करना

भाग ३: जानवर की ज्यादा जनसंख्या = दुखद गणित

भारत में, लाखों कुत्तों और बिल्लियों को सड़कों पर जीवित रहने के लिए संघर्ष करना पड़ता है या वे पशु आश्रयों में मर जाते हैं क्योंकि उन सभी के लिए पर्याप्त अच्छे घर नहीं हैं. इसी कारण से यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारे साथी कुत्तों और बिल्लियों की पशुचिकित्सक द्वारा नसबंदी की जाए. यह भी महत्वपूर्ण है कि हम हमेशा जानवरों को बेघर-पशु संकट को बदतर बनाने वाले पेट स्टोर या ब्रीडरों से खरीदने के बजाय, उन्हें आश्रयों से अपनाएं.

एक मादा कुतिया जिसकी नसबंदी नहीं की गई है, हर साल दो बार छह-छह पिल्लों को जन्म दे सकती है. **मान लें कि प्रत्येक बार तीन नर और तीन मादा जन्म लेते हैं.** नीचे दिए गणित के सवाल का जवाब हमें यह समझने में मदद करेगा कि सड़कों पर और आश्रयों में इतने सारे कुत्ते और बिल्लियां क्यों हैं और क्यों यह महत्वपूर्ण है कि मानव उनकी मदद करने के लिए कदम उठाएं.

दाईं तरफ दिए गए बॉक्स में प्रत्येक वाक्य में बताई कुत्तों की संख्या लिखें. जहां दिखाया गया है वहां योग की गणना करें.

१. रानी नसबंदी न की गई मादा कुतिया है. (१ × १) .....

\+ _____

२. गर्मियों में, वह ६ पिल्लों को जन्म देती है, ३ नर और ३ मादा (१ × ६) ..... = _____

कुल ए

_____

३. मानसून के मौसम में, वह दूसरी बार एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती है. (१ × ६) ..... \+ _____

४. उसकी ३ बेटियां, प्रत्येक एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती हैं. (३ × ६) ..... = _____

कुल बी

_____

५. अगली शरद ऋतु में, वह तीसरी बार एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती है. (१ × ६) ..... \+ _____

६. उसकी ६ बेटियां, प्रत्येक एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती हैं. (६ × ६) ..... \+ _____

७. उसकी ९ पोतियां, प्रत्येक एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती हैं. (९ × ६) ..... = _____

कुल सी

_____

८. अगली सर्दी में, वह चौथी बार एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती है. (१ × ६) .....

\+ _____

९. उसकी ९ बेटियां, प्रत्येक एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती हैं. (९ × ६) ..... \+ _____

१०. उसकी २७ पोतियां, प्रत्येक एक साथ ६ पिल्लों को जन्म देती हैं. (२७ × ६) ..... = _____

कुल डी

_____ +	_____ +	_____ +	_____ =	_____
कुल ए	**कुल बी**	**कुल सी**	**कुल डी**	**कुल योग**

अब, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें:

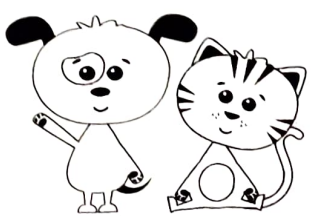

- रानी को इतने सारे पिल्ले पैदा करने से रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए था?
- वह सबसे महत्वपूर्ण चीजें कौन सी हैं, जिनको लोग बेघर जानवरों की संख्या को कम करने के लिए कर सकते हैं? अपने विचार इस पेज के पीछे लिखें.

‘किसी भी देश की महानता इसी बात से साबित होती है कि उस देश में जानवरों के साथ कैसा सुलूक किया जाता है.’

– महात्मा गांधी

एक दयालु नागरिक बनिए

COMPASSIONATE CITIZEN